



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—संख्या 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 71] नई विल्सनी, शनिवार, अप्रैल 30, 1977 बैशाख, 10, 1899

No. 71] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 30, 1977/VAISAKHA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पाठ संलग्न ही जाती हैं जिससे कि यह असर संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 30th April 1977

SUBJECT—Import of fire arms of non-prohibited bore, as gift.

No. 22-ITC(PN)/77.—Attention is invited to the Ministry of Commerce Public Notice No. 123-ITC(PN)/75, dated the 27th November, 1975, regarding import of fire arms of non-prohibited bore offered as gift to individuals from near relations abroad.

2. On a review of the position, it has been decided that the scheme for issue of custom clearance permits for import of revolvers and pistols, etc., of non-prohibited bore as gift shall, with immediate effect, be as indicated below:—

- (i) Applications for grant of CCPs for import of fire arms as gift will be considered as and when received. In other words, there will be no last date for receipt of applications.
- (ii) Import of fire arms as gift shall be allowed only from blood relations who have been living abroad continuously for a period of not less than 2 (two) years. For this purpose, blood relations will cover only father, mother, wife, husband, son, daughter or real brother or sister of the applicant.
- (iii) Customs clearance permit will be issued for import of only one fire arm, namely, revolver, pistol, etc.

(iv) No person shall be allowed to import a second fire-arm.

3. Applications should be made and CCPs obtained by the recipients of the gifts in advance of the fire-arms covered by the applications being despatched from abroad. No custom clearance permits will normally be issued after the despatch of the fire-arms from abroad and/or their arrival in India.

4 Import of ammunition shall not be allowed under the scheme.

5 The fire-arms covered by the Customs Clearance Permits shall not be sold or otherwise disposed of, or transferred, or parted with, for a period of 5 years from the date of their importation, unless specific permission of the Chief Controller of Imports and Exports has been obtained, in writing, for the sale or transfer, etc.

6. The following documents should accompany each application for grant of a custom clearance permit under this scheme:

- (i) Donor's letter, in original, on an aerogram;
- (ii) An-affidavit, on a stamped paper of the appropriate value, duly sworn in before a Magistrate or a Notary Public, (a) showing the exact relationship of the donor with the applicant, (b) declaring that he/she or his wife/her husband had not imported a fire-arm, namely, revolver, pistol, rifle, etc, either as gift or otherwise; and (c) undertaking that the fire-arm covered by the CCP, if issued in his/her favour, shall not sold, or otherwise disposed of, or parted with, within a period of five years from the date of its importation, without obtaining the specific permission of the Chief Controller of Imports and Exports, in writing;
- (iii) An affidavit from the donor indicating the period of his/her continuous stay abroad and giving particulars of his/her passport and dates and period of his/her last visit to India;
- (iv) Valid arms licence issued by the appropriate licensing authority in India.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports & Exports
वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1977

विषय.—गैर-निषेध बोर के अग्निशस्त्र का उपहार के रूप में आयात।

सं० 22—आई टी सी (पी एन) / 77.—विदेश में नजदीकी सम्बन्धियों द्वारा व्यक्तियों को उपहार के रूप में दिए गए गैर-निषेध के अग्नि शस्त्र के आयात के सम्बन्ध में वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 123—आई टी सी (पी एन) / 75 दिनांक 27 नवम्बर, 1975 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

स्थिति की पुनरीक्षा करने पर यह निष्पत्र किया गया है कि उपहार के रूप में गैर-निषेध बोर के रिवाल्वरी और पिस्टलों के आयात के लिए सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी करने के लिए तत्काल से नीचे यथा निर्दिष्ट योजना होगी।—

- (i) उपहार के रूप में अग्नि शस्त्र के आयात के लिए सीमाशुल्क निकासी परमिटों की मजूरी के लिए आवेदनपत्र जब और जैसे ही प्राप्त होंगे उन पर बिचार किया जाएगा। अन्य शब्दों में आवेदन पत्रों की प्राप्ति के लिए अतिम तिथि कोई भी नहीं होगी।

- (ii) उपहार के रूप में केवल उन्हीं सगे सम्बन्धियों से अग्नि शस्त्रों के आयात की अनुमति दी जाएगी जो विदेशों में कम से कम 2 (दो) वर्षों से लगातार रह रहे हों। इस उद्देश्य के लिए सगे सम्बन्धियों में आवेदक के केवल पिता, माता, पत्नि, पति, पुत्र, पुत्री या सगे भाई या बहिन शामिल होंगे।
- (iii) सीमाशुल्क निकासी परमिट केवल एक अग्नि शस्त्र अर्थात् रिवाल्वर, पिस्टौल आदि के आयात के लिए जारी किया जाएगा।
- (iv) द्वितीय अग्नि शस्त्र के आयात की अनुमति किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जाएगी।

3. उपहार प्राप्त करने वालों को विदेश से परेषित किए जा रहे आवेदन पत्रों में शामिल अग्नि शस्त्रों के लिए अग्रिम रूप में आवेदन पत्र देने चाहिए और सीमाशुल्क निकासी परमिट पहले ही प्राप्त कर लेने चाहिए। विदेश से अग्नि शस्त्रों के परेषण के बाद और, या भारत में आ पहुंचने के बाद सामान्यतः कोई भी सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी नहीं किया जाएगा।

4. इस योजना के अन्तर्गत गोला बारद के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. सीमाशुल्क निकासी परमिटों में शामिल अग्नि शस्त्र मुख्य नियन्त्रक आयात-नियर्ति से विक्रय या हस्तान्तरण के लिए लिखित रूप में विशेष अनुमति लिए बिना उनके आयात की तिथि से 5 साल की अवधि तक न तो बेचे जाएंगे, न अन्यथा रूप से निपटाये या हस्तान्तरित या छोड़े जाएंगे।

6. इस योजना के अन्तर्गत सीमाशुल्क निकासी परमिट की भजूरी के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए।—

- (i) एरोग्राम पर मूलरूप रे उपहार भेजने वाले का पत्र ;
- (ii) (क) आवेदक के साथ उपहारकर्ता का सही सम्बन्ध प्रदर्शित करते हुए, (ख) कि उसने या उसकी पत्नी/उसके पति ने कोई भी अग्नि शस्त्र अर्थात् रिवाल्वर, पिस्टौल, राइफल आदि उपहार के रूप में या अन्यथा रूप से आयात नहीं किया है इसकी घोषणा करते हुए; और (ग) कि सीमाशुल्क निकासी परमिट में शामिल अग्नि शस्त्र यदि मुझे जारी किया गया तो मुख्य नियन्त्रक आयात-नियर्ति की लिखित रूप में विशेष अनुमति प्राप्त किए बिना वह उसके आयात की तिथि से 5 वर्षों की अवधि तक न तो बेचा जाएगा, न अन्य रूप से दिया जाएगा, न छोड़ा जाएगा, इस सम्बन्ध में वक्त देते हुए एक मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक के सामने विधिवत शपथ लिया हुआ सरकारी कागज पर उचित मूल्य का एक शपथ पत्र;
- (iii) विदेश में उपहारकर्ता के लगातार ठहराव की अवधि को निर्दिष्ट करते हुए और उसके पासपोर्ट का व्यूरा देते हुए और भारत ने उसके अंतिमबार आगमन की तिथि और अवधि देते हुए उससे एक शपथपत्र।
- (iv) भारत के समर्थ लाइसेस प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया वैध शस्त्र लाइसेंस।

ए० एस० गिल,

मुख्य नियन्त्रक, आयत-नियर्ति।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार महापालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा

मुंत्रित तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

